प्रश्न-पेपर ४४ ता. 13/12/85

प्रशमरति प्रकरण - सटीक गाथा ७२ थी १८१ मार्क्स 50

प्र. १ नीचेना पदवाली मूलमात्र गाथा लखवो । गमे ते - 5 7½ मार्क्स

(1) वाल्लभ्यक (80) (२) दुर्मोचम् (100) (3) अशठं (123)

(४) अभ्यवहरेत् (135) (5) निग्रहं (143) (6) उद्धत (180)

प्र. २ नीचेना भाववाली गाथानो मात्र अर्थ लखवो । गमे ते - 5 7½ मार्क्स

१) जातिमदनो परिहार (81)

२) इच्छित वस्तुनी प्राप्तिमां हर्षाभाव (87)

३) लोकव्यवहारनी उपादेयता (131)

४) औषधोनुं सेवन न करवा शुं करवुं जोईये ? तेनुं कथन (137)

५) इन्द्रियोना संयमननुं कथन

६) क्रोधादिनी असर तले आत्माने न आववाना उपाय (166)

प्र. 3 नीचेना प्रश्नोना जवाब आपो । गमे ते १० 30 मार्क्स

(1) विरागमार्गना विजयनी दुर्लभता (गा. १६२ थी १६४)

(२) अन्यत्वभावना तथा संसारभावनाथी जीवनमां थता लाभो लखवो

(3) मोक्षनुं कारण विनय केवी रीते ? (गा. ७२ थी ७४)

(4) बुद्धिमदने निवारवा शुं करवुं जोईये ? (९१ - ९२)

(5) आचारांग सूत्रना नव अध्ययन द्वारा आचारनुं वर्णन करो (114 - 115)

(6) प्रशमवान आत्मा केवी रीते थाय ? तेना सुखनुं वर्णन करो (126 - 128)

(7) विषयोनी अनिष्टता समझावो (106 थी 108)

(8) आहार केवो करवो ! क्या उद्देश थी, केवी रीते करवो (134 थी 136)

(९) कई कई भावनाथी आत्मामां क्या क्या गुणोनो विकास थाय ?

(10) बीजी रीते संयमना प्रकारो जणावी मार्दव तथा त्याग धर्मनो महिमा लखवो

(11) १० प्रकारना यतिधर्मनी आराधना करनारने शुं फायदो ?

प्र. ४ नीचेना शब्दोनी व्युत्पत्ति मात्र लखवो । गमे ते '5' 5 मार्क्स

(१) ग्रन्थ (२) सत्यम् (167) (3) विनीतात्मा (139)

(4) भोगाः (122) (5) कषाय (6) हृद्यम् (78)

50 मार्क्स

प्र. ४ (१) [142] (२) [167] (3) [139]
(४) [122] (5) (6) [78]